बैंकों द्वारा मंजूर और नामंजूर किये गये आवेदनों का ब्यौरा निम्नलिखित है :—

1. शिक्षित बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने की योजना (एस० ई० ई० यू० वाई०) :

क्रमांक	वर्ष	जिला उद्योग केंद्रों में प्राप्त आवेदनों की संख्या	बैंकों द्वारा स्वीकृत आवेदनों की संख्या	बैंकों द्वारा अस्वीकृत आवेदनों की संख्या
1.	1992–93 . .	39344	10013	2987
2.	1993–94 . .	38453	8918	7332

2. प्रधान मंत्री की रोजगार योजना (पी० ए० एम० आर० वाई०) :

1.	1992–93	योजना आरंभ ही नहीं हुई थी ।		
2.	1993–94 . .	26851	3989	431

उद्योग विहीन जिले

6988. श्री ईश्वरा यादव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार उद्योग विहीन जिलों के संबंध में किस आधार पर निर्णय करती है और इस संबंध में मापदंड क्या हैं ;

(ख) उन्हें किस तरह से सहायता प्रदान की जाती है ; और

(ग) पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार द्वारा कितने उद्योग विहीन जिलों में उद्योग खोले गये हैं और इस संबंध में राज्यवार ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जिला उद्योग केन्द्र कार्य योजना, 1979–80 के अनुसार जिन जिलों में कोई बड़ा अथवा मझोला उद्योग नहीं है उन्हें "उद्योग हित जिले" के रूप में वर्गीकृत किया गया था । देश में कुल 93 जिलों को "उद्योग रहित जिले" माना गया है ।

(ख) केन्द्र सरकार उद्योग रहित जिलों में बुनियादी सुविधाओं की एक योजना चला रही थी जिसके अंतर्गत परियोजना लागत की एक तिहायी धनराशि भारत सरकार द्वारा दी जाती थी । 1988 में नयी विकास केन्द्र योजना शुरू होने से "उद्योग रहित जिलों" के लिए यह योजना समाप्त कर दी गई है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

देश में तिलहनों की पिरायी क्षमता

6989. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले वर्षों से देश में तिलहनों के पर्याप्त उत्पादन से तिलहन